State Government's records of generation and distribution figures did not tally with those given by the DVC authorities; and

(b) if so, reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN): (a) No such discrepancy has been brought to the notice of Government.

(b) The question does not arise.

National fertilizers Limited losses

31. SHRI RAJESH KUMAR SINGH:
SHRI SWAMI INDER VESH:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether the Government of India have inquired into the working of the National Fertilizers Ltd., during the last three years;

(b) if so, whether it is also a fact that N.F.L. incurred a loss of Rs. 14.31 crores during the last year and if so, the reasons thereof; and

(c) whether any steps have been taken by Government to improve the drawbacks of the undertakings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI DALBIR SINGH): (a) Government closely monitors the performance of all public sector fertilizer companies including the National Fertilizers Limited.

(b) Yes, Sir. The capacity utilisation of the plants of National Fertilizers Limited during 1979-80 was seriously affected by inadequate availability of feedstock, coal and power and resulted in the above loss.

(c) Arrangements have been made to augment the supply of inputs and feedstock to the plants of National Fertilizers Limited. This has resulted in improved performance of the plants.

पेट्रोलियम उत्पादकों के मूल्य में वृद्धि और उसकी खपत में मितव्ययता

32. **श्री नर सिंह भकवाना :**
श्री टी० आर० शमन्ना :

क्या **पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि के क्या कारण हैं ;

(ख) गत एक वर्ष में पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद से कितनी हानि हुई ;

(ग) पेट्रोलियम उत्पादों की मूल्य वृद्धि को देखते हुए उनकी खपत में बचत करने के बारे में क्या सुझाव है; और

(घ) देश में उत्पादित पेट्रोलियम उत्पादों की मात्रा कितनी है तथा विदेशों से आयातित उत्पादों की मात्रा कितनी है ।

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री **(श्री प्रकाश चन्द्र सेठी)** : (क) कारण निम्नलिखित हैं :—

(1) जून, 1980 में मूल्यों में वृद्धि के पश्चात् जनवरी, 1981 तक ओपेक देशों द्वारा कई बार मूल्य वृद्धि, जिसमें जनवरी, 1981 में की गई 10% की वृद्धि शामिल है, के कारण आयातित तेल का मूल्य 243 रुपये प्रति टन के करीब बढ़ गया था ।

(2) असम से तेल मिलने में रुकावट के कारण उत्पन्न कमी को पूरा करने के लिए अधिक आयात ।